भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 961

दिनांक 08 फरवरी, 2022

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित नई किस्में

961. श्री मनोज तिवारी:
श्री रवि किशन:
श्री प्रतापराव जाधव:
श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे:
श्री रविन्दर कुशवाहा:
श्री सुधीर गुप्ता:
श्री बिद्युत बरन महतो:
श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक:
श्री श्रीरंग आप्पा बारणे:

क्या **कृषि और किसान कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय (जेएनकेवीवी) ने जौ और गेहूं की दो-दो चावल की एक और नाइजर की तीन किस्में विकसित की हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इन किस्मों की मुख्य विशेषताएं क्या हैं;

(ख) क्या केंद्र सरकार ने देश में उक्त किस्मों के उत्पादन हेतु अनुकूल होने के बारे में कोई अधिसूचना जारी की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने विभिन्न राज्यों की कृषि-जलवायु गत परिस्थितियों और विशिष्ट फसल उत्पादक क्षेत्रों में इन नई किस्मों का परीक्षण किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इसके क्या परिणाम हैं;

(घ) गुणवत्तापूर्ण उत्पादन और बढ़ी हुई आय सुनिश्चित करने के लिए किसानों को फसल की ये नई किस्में कब तक उपलब्ध करा दी जाएंगी; और

(ङ) क्या सरकार ने देश के विभिन्न राज्यों में इन किस्मों की खेती के लिए उपयुक्त क्षेत्रों की पहचान की है और यदि हां, तो राज्य-वार और क्षेत्र-वार तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कृषि और किसान कल्याण मंत्री

(श्री नरेन्द्र सिंह तोमर)

(क) से (ङ): जी, हां। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय (जेएनकेवीवी) ने जौ और गेहूँ की दो-दो चावल की एक और नाइजर की तीन किस्में विकसित की हैं, जो फसल मानक, अधिसूचना और कृषि

फसलों के लिए किस्में जारी करने संबंधी केंद्रीय उप-समिति की 87वीं बैठक के दौरान जारी की गई और भारत के राजपत्र में एस.ओ. 8 (ई) दिनांक 24 दिसंबर, 2021 के द्वारा अधिसूचित की गई हैं। इनकी मुख्य विशेषताएं, परीक्षण राज्य और इन किस्मों की खेती के लिए अनुशंसित राज्य संबंधी ब्यौरा **अनुबंध-I** में दिया गया है।

जारी की गई इन सभी नई किस्मों का अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाओं के माध्यम से राज्यों की विभिन्न कृषि जलवायुगत परिस्थितियों में परीक्षण किया गया और राष्ट्रीय/जोनल तुलनीय किस्मों से श्रेष्ठता के आधार पर इन किस्मों को जारी करने और उन्हें अधिसूचित करने के लिए अनुशंसा की गई है।

किस्म की अधिसूचना के पश्चात प्रजनक बीज को प्रमाणित बीज में परिवर्तित करने में तीन वर्ष लगते हैं और किसानों को प्रमाणित बीज सामान्य खेती के लिए वितरित किया जाता है। विभिन्न राज्य और केंद्रीय बीज उत्पादन एजेंसियां और प्राइवेट बीज कंपनियां फाउंडेशन और प्रमाणीकृत बीज का उत्पादन करती हैं।

****

अनुबंध-I

{लोक सभा के दिनांक 08.02.2022 के अतारांकित प्रश्न सं0 961 का भाग (क) से (ड़)}

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किस्में जिन्हें केंद्रीय फसल मानक अधिसूचना तथा कृषि फसलों की किस्म जारी करने संबंधी उप-समिति की 87वीं बैठक के दौरान जारी किया गया।

फसल और किस्म का नाम	परीक्षण राज्य और अनुसंशा	मुख्य विशेषताएं
जई		
जेओ 10-506	असम, ओडिशा, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश	सामान्य उर्वरता अवस्थाओं के अंतर्गत, बारानी सिंचित परिस्थितियों के लिए उपयुक्त, औसत हरा चारा उत्पादन 219.0 क्विं./हैक्टे., परिपक्वता समय 135-145 दिन, लोजिंग प्रतिरोधी, पत्ती अंगमारी और जड़ सड़ने के प्रति औसत दर्जे से प्रतिरोधी।
जेओ 05-304 (मल्टी-कट)	उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात	सामान्य उर्वरता अवस्थाओं के अंतर्गत बारानी सिंचित परिस्थितियों के लिए उपयुक्त, मल्टीकट किस्म, औसत हरा चारा उत्पादन 560.0 क्विं./हैक्टे., और शुष्क सामग्री उपज 114.0 क्विं./हैक्टे., परिपक्वता समय 130-140 दिन, पत्ती अंगमारी और जड़ सड़ने के प्रति औसत रूप से प्रतिरोधी।
गेहूं		
एमपी (जेडब्ल्यू) 1358	महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु के मैदानी भाग	कम सिंचाई, समय पर बुवाई परिस्थिति के लिए उपयुक्त, औसत उत्पादन 56.1 क्विं./हैक्टे., परिपक्वता समय 105 दिन, जैव-प्रबलित किस्म जिसमें प्रचुर मात्रा में प्रोटीन (12.1%), आयरन (40.6 पीपीएम) है, गर्मी और शुष्क दबाव सहिष्णु, ब्लैक और ब्राउन रस्ट प्रतिरोधी।
एमपी(जेडब्ल्यू) 1323	मध्य प्रदेश	सिंचित समय पर बुवाई परिस्थिति के लिए उपयुक्त, औसत उपज 61.5 क्विं./हैक्टे., परिपक्वता समय 117 दिन, अधिक प्रोटीन तत्व (14.5%); ब्राउन और ब्लैक रस्ट प्रतिरोधी।
चावल		
जेआर 10	मध्य प्रदेश	खरीफ मौसम के दौरान शीघ्र से मध्यम अवधि रोपाई के लिए उपयुक्त, मध्य प्रदेश के समस्त चावल उत्पादक क्षेत्रों के लिए अनुशंसित, औसत उपज 50-55 क्विं./हैक्टे., परिपक्वता समय 120 दिन; इस किस्म के कटाई के पश्चात किसान मसूर/चना की बुवाई कर सकते हैं, प्रस्फुटन (ब्लास्ट) और अंगमारी (ब्लाइट) सहित ज्यादातर रोगों के प्रति औसत दर्जे से सहिष्णु।
नाइजर		
जेएनएस 2016-1115	समस्त भारत	बारानी और सिंचित परिस्थितियों के लिए उपयुक्त, औसत उत्पादन 6.5-7.0 क्विं./हैक्टे., तेल तत्व 39-40%, परिपक्वता समय 96-102 दिन, सर्कोस्पोरा पत्ती धब्बा (लीफ स्पॉट्स), अल्टरनेरिया पत्ती धब्बा (लीफ स्पॉट) और चूर्णी फफूंद (पाउडरी माइल्डडयू) रोगों के प्रति सहिष्णु, एफिड, सेमि-लूपर और कैटर-पिलर के प्रति औसत दर्जे से सहिष्णु।
जेएनएस 2015-9	मध्य प्रदेश	पहाड़ियों और मैदानी क्षेत्रों के बारानी और सिंचित परिस्थितयों के लिए उपयुक्त, औसत उत्पादन 5.5-6.0 क्विं./हैक्टे., तेल तत्व 37-38%, परिपक्वता समय 99-103 दिन, सर्कोस्पोरा और अल्टरनेरिया पत्ती धब्बा (लीफ स्पॉट) और चूर्णी फफूंद (पाउडरी माइल्डडयू) रोगों के प्रति सहिष्णु, एफिड, सेमि-लूपर और कैटर-पिलर के प्रति औसत दर्जे से सहिष्णु।
जेएनएस 521	मध्य प्रदेश	पहाड़ियों और मैदानी क्षेत्रों के बारानी और सिंचित परिस्थितयों के लिए उपयुक्त, औसत उत्पादन 5.5-6.0 क्विं./हैक्टे., तेल तत्व 37-38%, परिपक्वता समय 99-109 दिन, अल्टरनेरिया पत्ती धब्बा (लीफ स्पॉट) और चूर्णी फफूंद (पाउडरी माइल्डयू) रोगों के प्रति सहिष्णु और एफिड, सेमि-लूफर और कैटर-पिलर के प्रति सहिष्णु।

****